प्रेमी अपनी अर्जी प्रभु कैसे लगाएंगे भजन लिरिक्स

प्रेमी अपनी अर्जी,
प्रभु कैसे लगाएंगे,
जब द्वार पे जाकर के,
तुझे देख ना पाएंगे।bd।

देखे – द्वार दया का खोल जरा।

तेरी आदत मेरे श्याम,
तूने खुद ही लगाई है,
ये प्रेम बढाकर के तुमने,
क्यों दूरी बढ़ाई है,
तेरे दर्शन बिन हे श्याम,
हम जी नहीं पाएंगे,
जब द्वार पे जाकर के,
तुझे देख ना पाएंगे।bd।

तेरी चौखट पे बाबा जब,
कदम बढ़ाते है,
देख के तुझको मनमोहन सब,
कुछ पा जाते है,
तेरी करुणा का अमृत,
बोलो कैसे पाएंगे,
जब द्वार पे जाकर के,
तुझे देख ना पाएंगे।bd।

बैठ के तुम मंदिर में प्यारे,
रह नहीं पाओगे,
अपने द्वार के पट जब खुद ही,
बंद कराओगे,
‘पंकज’ तेरी खातिर,
सब कुछ कर जाएंगे,
जब द्वार पे जाकर के,
तुझे देख ना पाएंगे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

प्रभु कैसे लगाएंगे,
जब द्वार पे जाकर के,
तुझे देख ना पाएंगे।bd।

Singer – Sheetal Pandey Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com